CBSE Class 9 Social Science Important Questions Civics Chapter 2 संविधान निर्माण

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
भारतीय संविधान सभा में प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे?
उत्तर:
डॉ. भीमराव अम्बेडकर।

प्रश्न 2.
नेल्सन मंडेला को कितने वर्षों तक तथा कहाँ कैद में रखा गया?
उत्तर:
नेल्सन मंडेला को 28 वर्षों तक दक्षिण अफ्रीका की जेल-रोब्बेन द्वीप में कैद में रखा गया।

प्रश्न 3.
दक्षिण अफ्रीका की रंगभेदी सरकार का अन्त कब हुआ?
उत्तर:
26 अप्रैल, 1994 ई. को।

प्रश्न 4.
भारतीय रियासतों के विलय में निर्णायक भूमिका किसने निभायी?
उत्तर:
वल्लभभाई झावरभाई पटेल ने।

प्रश्न 5.
भारतीय संविधान का दर्शन संविधान के किस भाग में है?
उत्तर:
संविधान की प्रस्तावना में।

प्रश्न 6.
संविधान क्या है?
उत्तर:
संविधान देश के सर्वोच्च कानूनों का एक आलेख है जिसमें देश की राजनीति तथा समाज को व्यवस्थित करने वाले मूलभूत नियम सम्मिलित होते हैं।

प्रश्न 7.
संविधान की प्रस्तावना क्या होती है?
उत्त:
संविधान की प्रस्तावना संविधान की भूमिका होती है जिसमें संविधान के आदर्श तथा मूलभूत सिद्धान्तों का उल्लेख होता है।

प्रश्न 8.
रंगभेद की नीति क्या है?
उत्तर:
चमड़ी के रंग के आधार पर मनुष्य-मनुष्य के बीच भेदभाव करने की नीति को रंगभेद की नीति कहते हैं।

प्रश्न 9.
संविधान सभा क्या है?
उत्तर:
संविधान नामक आलेख के प्रारूप को तैयार करने वाली निर्वाचित प्रतिनिधियों की एक सभा को संविधान सभा कहते हैं।

प्रश्न 10.
भारतीय संविधान, संविधान सभा द्वारा कब पारित किया गया और इसे कब लागू किया गया?
उत्तर:
भारतीय संविधान सभा ने 26 नवम्बर, 1949 को संविधान के प्रारूप को पारित किया तथा 26 1950 को इसे लागू किया गया।

प्रश्न 11.
संविधान सभा के किन्हीं दो कांग्रेसी सदस्यों के नाम लिखिये।
उत्तर:

- पं. जवाहर लाल नेहरू
- अबुल कलाम आजाद।

प्रश्न 12.
संविधान सभा के किन्हीं दो गैर-कांग्रेसी सदस्यों के नाम लिखिये।
उत्तर:

- भीमराव रामजी अंबेडकर
- श्यामा प्रसाद मुखर्जी।

प्रश्न 13.
दक्षिण अफ्रीका में गोरी सरकार के शासन के दौरान लोगों के प्रमुख समूह कौन-कौनसे थे?
उनर:

- श्वेत
- अश्वेत
- रंगीन चमड़ी वाले लोग (मिली-जुली नस्लों वाले लोग) और
- भारत मूल के लोग।

प्रश्न 14.
ऐसी दो घटनाओं के नाम बताइए जिनके बाद से सभी लोकतांत्रिक देशों में एक लिखित संविधान रखने का प्रचलन शुरू हुआ।उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

- ब्रिटेन के विरुद्ध स्वतंत्रता संघर्ष के पश्चात्, अमेरिकी लोगों द्वारा अपने लिए संविधान तैयार किया गया।
- फ्रांसीसी क्रांति के पश्चात् वहां के लोगों ने एक लोकतांत्रिक संविधान का अनुमोदन किया।

प्रश्न 15.
भारतीय संविधान सभा द्वारा संविधान पर चर्चा शुरू करने से बहुत पहले ही नेताओं के बीच किन आधारभूत मूल्यों पर सहमति थी?
उत्तर:
राष्टीय आंदोलन के दौरान निम्न आधारभत मल्यों पर सहमति थी।

- सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार।
- स्वतंत्रता एवं समानता का अधिकार।
- अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा।

प्रश्न 16.
संविधान सभा की चर्चा का क्या महत्त्व है?
उत्तर:

- इन चर्चाओं ने संविधान के प्रबंधों को औचित्य प्रदान किया।
- इनका उपयोग संविधान के किसी भी अनुच्छेद का अर्थ ज्ञात करने के लिए किया जाता है।

प्रश्न 17.
भारतीय संविधान की प्रस्तावना की शुरुआत 'हम भारत के लोग....' से होती है। यहाँ पर 'हम' शब्द से क्या आशय है?
उत्तर:
संविधान की प्रस्तावना के प्रारंभ के 'हम भारत के लोग.....' शब्द से अभिप्राय है कि संविधान का निर्माण एवं अधिनियमन जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों के द्वारा किया गया है।

प्रश्न 18.
संविधान संशोधन से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
लोगों की इच्छा तथा समाज में आए बदलावों के अनुरूप संविधान को नियमित रूप से संशोधित करते रहने की जरूरत होती है। संविधान के उपबन्धों में इस तरह के संशोधन को 'संविधान संशोधन' कहते हैं।

प्रश्न 19.
भारतीय संविधान सभा का निर्माण किस तरह हुआ?
उत्तर:
भारत की संविधान सभा का चुनाव तत्कालीन प्रान्तीय विधानसभाओं के सदस्यों द्वारा किया गया था।

प्रश्न 20.
भारतीय संविधान की मूल प्रस्तावना में भारत को कैसा गणराज्य घोषित किया गया है?
उत्तर:
सम्पूर्ण प्रभुत्वसम्पन्न, लोकतंत्रात्मक गणराज्य।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
संविधान की प्रस्तावना का क्या महत्त्व है?
उत्तर:
संविधान की प्रस्तावना का महत्त्व-

- संविधान की प्रस्तावना में वह दर्शन होता है जिस पर पूरा संविधान निर्मित होता है।
- यह सरकार के कानूनों तथा कार्यों के परीक्षण तथा मूल्यांकन का मापदण्ड प्रदान करता है। यह भारतीय संविधान की आत्मा है।

प्रश्न 2.
'संविधान एक जीवित आलेख है।' सिद्ध कीजिये।
उत्तर:

- संविधान एक ऐसा आलेख है जिसका क्रियाशील संस्थाओं की आवश्यकताओं, अपेक्षाओं तथा आकांक्षाओं के साथ निरन्तर विकास होता रहता है।
- यह सरकार तथा नागरिकों की गतिविधियों की सीमाओं को निर्धारित करने में सहायता करता है।

प्रश्न 3.
'भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है।' स्पष्ट करें।
उत्तर:
भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है क्योंकि-

- भारत में सभी नागरिकों को कोई भी धर्म अपनाने की स्वतंत्रता है।
- भारत सरकार का अपना कोई धर्म नहीं है।
- भारतीय सरकार सभी धर्मों के विश्वासों तथा रिवाजों को बराबर सम्मान देती है।

प्रश्न 4.
दक्षिण अफ्रीका की रंगभेदी गोरी सरकार द्वारा उठाये गए रंगभेदी कदमों का उल्लेख कीजिये।
उत्तर:

- दक्षिण अफ्रीका की रंगभेदी सरकार ने दक्षिण अफ्रीका के लोगों की त्वचा के रंग के आधार पर दो भागों- (1) गोरे लोग (2) काले लोग-में बांट दिया।
- रंगभेदी नीति अश्वेत लोगों के लिए दमनात्मक थी। उन्हें संगठन बनाने या अपने साथ हो रहे दुर्व्यवहारों का विरोध करने की स्वतंत्रता नहीं थी।
- उनके लिए निवास, यातायात के साधन, अस्पताल, विद्यालय तथा मनोरंजन के साधनों की व्यवस्था गोरे लोगों से अलग थी।

प्रश्न 5.
दक्षिण अफ्रीका में लोकतांत्रिक सरकार की स्थापना कब की गई? काले लोगों के
नेताओं ने अपने साथियों से क्या अपील की?
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

- दक्षिण अफ्रीका में लोकतांत्रिक सरकार की स्थापना 26 अप्रैल, 1994 को की गई थी।
- काले लोगों के नेताओं ने अपने साथियों से गोरे लोगों के शासन के दौरान श्वेत लोगों द्वारा अश्वेतों पर किये गए अत्याचार के लिए उन्हें क्षमा कर देने की अपील की।

प्रश्न 6.
हमें संविधान की आवश्यकता क्यों है?
अथवा
संविधान के प्रमुख कार्यों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:
संविधान निम्नलिखित प्रमुख कार्य करता है, इसलिए हमें संविधान की आवश्यकता है-

- यह सहयोग एवं विश्वास की वह भावना पैदा करता है. ताकि विभिन्न तरह के लोग एक-साथ मिल-जुल कर रह सकें।
- संविधान यह स्पष्ट करता है कि सरकार का निर्माण कैसे होगा तथा निर्णय लेने की अन्तिम शक्ति किसके पास होगी।
- यह सरकार की शक्तियों की सीमा तय करता है तथा जनता के अधिकारों का उल्लेख करता है।
- यह लोगों की एक अच्छे समाज के निर्माण की इच्छा को व्यक्त करता है।

प्रश्न 7.
भारतीय संविधान के निर्माण के समय की कठिन परिस्थितियों का उल्लेख कीजिये।
उत्तर:

- भारत एक विस्तृत तथा विविधता से भरा देश था। जिसकी जनता लम्बे वर्षों के बाद गुलामी से मुक्त होकर हाल ही एक स्वतंत्र नागरिक बनी थी।
- देश के विभाजन में लाखों लोग मारे गये थे।
- देशी रियासतों को भारत या पाकिस्तान में अपना विलय करने या स्वतंत्र रहने की इजाजत दे दी थी।

प्रश्न 8.
1994 के बाद दक्षिण अफ्रीका के संविधान में क्या परिवर्तन किये गए हैं?
उत्तर:
1994 के बाद दक्षिण अफ्रीका के संविधान में निम्नलिखित परिवर्तन किये गये हैं-

- इस संविधान ने बहुजातीय सरकार के निर्माण का मार्ग खोल दिया।
- दक्षिण अफ्रीका के सभी लोगों को बिना किसी भेदभाव के समान अधिकार दिए गए।
- राजनीतिक दलों पर रोक तथा मीडिया पर प्रतिबन्ध समाप्त कर दिये गये।

प्रश्न 9.
रंगभेद क्या है? दक्षिण अफ्रीका की गोरी सरकार की रंगभेद की राजनीति को स्पष्ट
कीजिए।
उत्तर:
रंगभेद-रंगभेद नस्ली भेदभाव पर आधारित उस व्यवस्था का नाम है जो दक्षिण अफ्रीका में गोरे शासकों द्वारा

विशिष्ट रूप से चलायी गयी। यह इस प्रकार थी दक्षिण अफ्रीका की रंगभेद की राजनीति-दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद की राजनीति ने लोगों को चमड़ी के रंग के आधार पर बाट दिया। गोर शासक गोरे लोगों के अलावा शेष सब (अश्वेत, भारतीय मूल और रंगीन चमड़ी वाले लोग) को छोटा और नीचा मानते थे।

- पृथक्करण की नीति-अश्वेतों को वोट डालने का अधिकार नहीं था। इनकी बस्तियाँ, विद्यालय, अस्पताल, सिनेमा हॉल, थियेटर, होटल, बसें, टैक्सियाँ, जन शौचालय आदि एकदम अलग थे। उन गिरिजाघरों में भी उनका प्रवेश वर्जित था जहाँ पर श्वेत लोग पूजा करते थे।
- अश्वेतों को अधिकारों का न दिया जाना-अश्वेतों को संगठन बनाने और इस भेदभावपूर्ण व्यवहार का विरोध करने का अधिकार नहीं था।

प्रश्न 10.
दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के विरुद्ध काले, रंगीन त्वचा वाले तथा भारतीयों द्वारा किये गए संघर्ष की चर्चा कीजिए।
उत्तर:

- दक्षिण अफ्रीका में अश्वेत लोगों ने रंगभेद की राजनीति का विरोध प्रकट करने के लिए रैलियां निकाली तथा हड़ताल की।
- अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस ने गोरों की अलगाव की भेदभावपूर्ण सरकारी नीति के विरुद्ध लड़ाई लड़ी।
- कई देशों ने रंगभेद की जातिवादी तथा अन्यायपूर्ण नीति के रूप में विरोध किया।

प्रश्न 11.
दक्षिण अफ्रीका में संविधान निर्माण हेतु गोरे और काले लोगों में विचार-विमर्श के बाद किन बातों पर सहमति हुई?
उत्तर:
दक्षिण अफ्रीका में गोरे और अश्वेत लोगों के बीच काफी लम्बे समय तक बातचीत चली। इसमें दोनों पक्षों में निम्न बातों पर सहमति हुई-

- गोरे लोग बहुमत के शासन के सिद्धान्त तथा एक व्यक्ति एक वोट को मान गये। वे गरीब लोगों और मजदूरों के कुछ बुनियादी अधिकारों पर भी सहमत हुए।
- अश्वेत लोग इस बात पर सहमत हुए कि सिर्फ बहुमत के आधार पर फैसले नहीं होंगे अर्थात् बहुमत पर आधारित शासक स्वेच्छाचारी नहीं होगा तथा अल्पसंख्यक गोरे लोगों की सम्पत्ति नहीं छीनी जाएगी।
- वे इस बात पर भी सहमत हुए-सर्कार कैसे चुनी जायेगी, उसके क्या अधिकार तथा सीमाएँ हैं; नागरिकों के अधिकार क्या होंगे तथा ये संवैधानिक नियम सबसे ऊपर होंगे और कोई भी सरकार उनकी उपेक्षा नहीं कर सकती।

प्रश्न 12.
दक्षिण अफ्रीका के लिए नया संविधान बनाने में कौन-सी कठिनाइयाँ आयीं?
उत्तर:
दक्षिण अफ्रीका के लिए नया संविधान बनाने में निम्न प्रमुख कठिनाइयाँ आयीं-

- इस नये लोकतंत्र में दमन करने वाले और दमन सहने वाले, दोनों ही साथ-साथ समान हैसियत से रहने की योजना बना रहे थे। लेकिन दोनों के लिए ही एक-दूसरे पर भरोसा कर पाना आसान नहीं था। उनके अन्दर अपने-अपने किस्म के डर थे। वे अपने हितों की रखवाली चाहते थे।

https://www.evidyarthi.in/

- बहुसंख्यक अश्वेत चाहते थे कि लोकतंत्र में बहुमत के शासन वाले मूल सिद्धान्त से कोई समझौता न हो। उन्हें बहुत सारे सामाजिक और आर्थिक अधिकार चाहिए थे।
- अल्पसंख्यक गोरों को अपनी सम्पत्ति और अपने विशेषाधिकारों की चिन्ता थी। संविधान निर्माताओं को इन दोनों के मध्य समझौते का रास्ता अपनाना था।

प्रश्न 13.
संविधान सभा द्वारा पैंसठ साल से भी पहले बनाए गए संविधान को हम क्यों मानते हैं?
उत्तर:
संविधान के मानने के कारण-69 साल के बाद भी संविधान सभा द्वारा बनाए गए संविधान को हमारे द्वारा मानने के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं-

- व्यापक सहमतियों पर आधारित-संविधान सिर्फ संविधान सभा के सदस्यों के विचारों को ही व्यक्त नहीं करता, बल्कि यह अपने समय की व्यापक सहमतियों को व्यक्त करता है।
- प्रतिनिधिपूर्ण संविधान सभा-संविधान सभा भी भारत के लोगों का ही प्रतिनिधित्व कर रही थी। देश के सभी भौगोलिक क्षेत्रों का इसमें उचित प्रतिनिधित्व हो गया था। सभी राजनैतिक दलों, सभी समूह, जाति, वर्ग, धर्म और पेशों के लोग इसमें थे।
- व्यवस्थित कार्यप्रणाली-संविधान सभा का काम काफी व्यवस्थित, खुला और सर्वसम्मति बनाने के प्रयास पर आधारित था।

प्रश्न 14.
भारतीय संविधान सभा की कार्यप्रणाली को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारतीय संविधान सभा की कार्यप्रणाली-जिस तरह संविधान सभा ने काम किया, वह संविधान को एक तरह की पवित्रता और वैधता देता है।

- संविधान सभा का काम काफी व्यवस्थित, खुला और सर्वसम्मति बनाने के प्रयास पर आधारित था।
- सबसे पहले कुछ बुनियादी सिद्धान्त तय किए गए और उन पर सबकी सहमति बनाई गई।
- बुनियादी सिद्धान्तों पर सहमति के बाद प्रारूप कमेटी के प्रमुख डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने चर्चा के लिए एक प्रारूप संविधान बनाया। संविधान के प्रारूप की प्रत्येक धारा पर कई-कई दौर में चर्चा हुई। दो हजार से ज्यादा संशोधनों पर विचार हुआ।